आत्मा व परमात्म चेतना को अनुभव करने का सशक्त साधन है आध्यात्मिकता

माउंट आबू, 23 जुलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनीजी ने कहा है कि आध्यात्मिक मन की सुषुप्त शक्तियों को जागृत करने से ही तन, धन और बौद्विक शक्ति कार्यक्षेत्र में यथार्थ रूप से नियंत्रण में रह सकती है। वे ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में वायु एवं जलीय परिवहन प्रभाग की ओर से जीवन सफर में सफलता के लिए चित्रण विषय पर आयोजित अखिल भारतीय सेमीनार के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता आत्मा व परमात्म चेतना को अनुभव करने का एक सशक्त साधन है। सेवा क्षेत्र में सकारात्मक चितंन, निःस्वार्थ सेवा भाव व्यक्ति को अपने संबंध संपर्क में आने वालों की दुआओं का पात्र बना देता है। राजयोग के जरिए कार्य में कुशलता और जीवन जीने की कला में निखार आता है। बाहर की ओर भागते संत्रस्त मन को शांत करने के लिए आंतरिक शक्तियों का विकास करना होगा।

भारतीय मेटरोलॉजिकल विभाग दिल्ली निदेशक अवधेश कुमार ने कहा है कि परिवहनकर्मियों को मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए अतंर्मन की यात्रा पर भी ध्यान देना चाहिए। मानसिक संतुलन के बिगड़ जाने से सबंधों में कटुता आती है इसलिए व्यवहार को मधुर तथा सबंधों में सद्भाव लाने के लिए राजयोग का अभ्यास करने की जरूरत है। वर्तमान परिवेश में बढ़ती अनिश्चितता में स्वयं आध्यात्मिक रूचि रखते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति सकारात्मक रूख अपनाने की जरूरत है।

नेशनल एविएशन कार्पोरेशन इंडिया प्रंबंध निदेशक आर.ए.कामत ने कहा कि सफलता के लिए जीवन में अनुशासन और निष्ठा के साथ समर्पित भाव का होना नितांत आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से दी जा रही राजयोग की शिक्षा को दृढ़ता के साथ धारण करने से जीवन में स्थाई रूप से शांति लाई जा सकती है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के पर्यटन अधिकारी कुमार गौरव ने कहा कि वर्तमान परिवेश में बढ़ती प्रतिस्पर्धाओं के चलते अंतराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। ऐसी स्थिति में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को चुनौतियों का मुकाबला करने को तैयार रहने की आवश्यकता है।

यातायात प्रभाग के अध्यक्ष बी के ओमप्रकाश गुलाटी ने कहा कि मन की एकाग्रता को बढ़ाने से हर कर्म में सफलता सुनिश्चित है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलबिध अर्जित करने को आत्मोन्नति की नितांत आवश्यकता है।

शिपिंग, एविऐशन एवं टूरिज्म सेक्टर की राष्ट्रीय संयोजिका बी के मीरा बहन ने कहा कि किसी भी कार्य में कामयाबी हासिल करने को लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। मंजिल का रास्ता स्पष्ट होने से उसे तय करने में कोई मुश्किल का अनुभव नहीं होता। जीवन में परिश्रम का बहुत महत्व है। बिना परिश्रम के जीवन नीरस बन जाता है।

मुबंई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट निदेशक भूषण पाटिल, ब्रह्माकुमारी संगठन के विज्ञान व तकनीकी प्रभाग संयोजक बी मोहनसिंहल, प्रभाग की मुख्यालय संयोजक बी के सुमन, बीके कमलेश, सुमन ने भी विचार व्यक्त किए।